लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्षः 15 | अंकः 38 | मूल्यः ₹ 3.00/- | पेज : 12 | रविवार | 19 नवंबर, 2023

किसानों को ग्रो बैग का किया गया वितरण

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा किसानों को शनिवार को अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत पोषण वाटिका के लिए ग्रो बैग वितरित किए गए। गृह वैज्ञानिक डॉ.निमिषा अवस्थी ने बताया कि पोषण वाटिका, गृह वाटिका या रसोईघर बाग आंगन में ऐसी खुली जगह पर होती है जहां पारिवारिक श्रम से परिवार के इस्तेमाल के लिए विभिन्न मौसमों में मौसमी फल तथा विभिन्न सब्जियां उगाई जाती हैं।भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा मनुष्य शरीर के लिए सब्जियों की दैनिक मात्रा 300 ग्राम/व्यक्ति निर्धारित की गई है। जिसमें 125 ग्राम हरे पत्तेदार, 100 ग्राम कंदीय एवं 75 ग्राम अन्य सब्जियाँ शामिल है। वर्तमान में भारत में प्रति व्यक्ति द्वारा 145 ग्राम सब्जी को ही खाया जा रहा है। जिसका मुख्य कारण मंहगाई, बाजार से दूरी एवं जागरूकता की कमी हैं। इस अवसर पर डॉ.निमिषा अवस्थी द्वारा 15 किसानो को ग्रो-बैग वितरित किये गए। जिससे वह अपने छत पर टेरेस गार्डेन विकसित कर अपने घर में सब्जी उगा कर उसका सेवन करें जिससे की पोषक तत्वों की पूर्ति हो। कार्यक्रम में केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ.अरुण सिंह पशुपालन वैज्ञानिक डॉ.शशिकांत के साथ वरिष्ठ शोध अध्येता शुभम यादव, गौरव शुक्ला आदि मौजूद रहे।

SKS NEWS
हिन्दी दैनिक
समाज का साथी
कानपुर नगर से प्रकाशित
कानपुर, रविवार 19 नवंबर-2023 पृष्ठ -8

किसानों को पोषण वाटिका हेतु ग्रो बैग किए गए वितरित

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा किसानों को अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत पोषण वाटिका हेतु ग्रो बैग वितरित किए गए। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि पोषण वाटिका या रसोईघर बाग या फिर गृह वाटिका, उस वाटिका को कहा जाता है, जो आंगन में ऐसी खुली जगह पर होती है जहां पारिवारिक श्रम से परिवार के इस्तेमाल के लिए विभिन्न मौसमों में मौसमी फल तथा विभिन्न सब्जियां उगाई जाती हैं।भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा मनुष्य शरीर के लिए सब्जियों की दैनिक मात्रा 300 ग्राम/ व्यक्ति निर्धारित की गई है। जिसमें 125 ग्राम हरे पत्तेदार, 100 ग्राम कंदीय एवं 75 ग्राम अन्य सब्जियाँ शामिल है । वर्तमान में भारत में प्रति व्यक्ति द्वारा 145 ग्राम सब्जी को ही खाया जा रहा है। जिसका मुख्य कारण मंहगाई, बाजार से दूरी एवं जागरूकता की कमी हैं। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत ग्राम औरंगाबाद, विकास खंड मैथा में जिन अनुसूचित जाति के कृषकों के पास गृह वाटिका लगाने हेतु जमीन नही है उन्हे डॉ निमिषा अवस्थी ने 15 कृषको को ग्रो-बैग वितरित किये ताकि वे अपने छत पर टेरेस गार्डेन विकसित कर अपने घर में सब्जी उगा कर सेवन करें।

Sign in to edit and save changes to this file.

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, रविवार, 19 नवम्बर 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

किसानों को पोषण वाटिका हेतु ग्रो बैग किए गए वितरित

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा किसानों को अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत पोषण वाटिका हेतु ग्रो बैग वितरित किए गए।

इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि पोषण वाटिका या रसोईघर बाग या फिर गृह वाटिका, उस वाटिका को कहा जाता है, जो आंगन में ऐसी खुली जगह पर होती है जहां पारिवारिक श्रम से परिवार के इस्तेमाल के लिए विभिन्न मौसमों में मौसमी फल तथा विभिन्न सब्जियां उगाई जाती हैं।भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा मनुष्य शरीर के लिए सब्जियों की दैनिक मात्रा 300 ग्राम/व्यक्ति निर्धारित की गई है। जिसमें 125 ग्राम हरे पत्तेदार, 100 ग्राम कंदीय एवं 75 ग्राम अन्य सब्जियाँ शामिल है । वर्तमान में भारत में प्रति व्यक्ति द्वारा 145 ग्राम सब्जी को ही खाया जा रहा है।

जिसका मुख्य कारण मंहगाई, बाजार से दूरी एवं जागरूकता की कमी हैं।

इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत ग्राम औरंगाबाद, विकास खंड मैथा में जिन अनुसूचित जाति के कृषकों के पास गृह वाटिका लगाने हेतु जमीन नही है उन्हे डॉ निमिषा अवस्थी ने 15 कृषको को ग्रो-बैग वितरित किये ताकि वे अपने छत पर टेरेस गार्डेन विकसित कर अपने घर में सब्जी उगा कर सेवन करें जिससे की पोषक तत्वों की पूर्ति हो। कार्यक्रम में केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण सिंह पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत के साथ वरिष्ठ शोध अध्येता शुभम यादव, गौरव शुक्ला आदि मौजूद रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-251 कानपुर, रविवार 19 नवम्बर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

पुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

किसानों को पोषण वाटिका हेतु ग्रो बैग किए गए वितरित

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा किसानों को अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत पोषण वाटिका हेतु ग्रो बैग वितरित किए गए। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बताया कि पोषण वाटिका या रसोईघर बाग या फिर गृह वाटिका, उस वाटिका को कहा जाता है, जो आंगन में ऐसी खुली जगह पर होती है जहां पारिवारिक श्रम से परिवार के इस्तेमाल के लिए विभिन्न मौसमों में मौसमी फल तथा विभिन्न सब्जियां उगाई जाती हैं।भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा मनुष्य शरीर के लिए सब्जियों की दैनिक मात्रा 300 ग्राम/व्यक्ति निर्धारित की गई है। जिसमें 125 ग्राम हरे पत्तेदार, 100 ग्राम कंदीय एवं 75 ग्राम अन्य सब्जियाँ शामिल है । वर्तमान में भारत में प्रति व्यक्ति द्वारा 145 ग्राम सब्जी को ही खाया जा रहा है। जिसका मुख्य कारण मंहगाई, बाजार से दूरी एवं जागरूकता की कमी हैं। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत ग्राम औरंगाबाद, विकास खंड मैथा में जिन अनुसूचित जाति के कृषकों के पास गृह वाटिका लगाने हेतु जमीन नही है उन्हे डॉ निमिषा अवस्थी ने 15 कृषको को ग्रो-बैग वितरित किये ताकि वे अपने छत पर टेरेस गार्डेन विकसित कर अपने घर में सब्जी उगा कर सेवन करें जिससे की पोषक तत्वों की पूर्ति हो । कार्यक्रम में केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण सिंह पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत के साथ वरिष्ठ शोध अध्येता शुभम यादव, गौरव शुक्ला आदि मौजूद रहे।

सर्दियों में मत्स्य पालक तालाबों की करें विशेष देखभाल- डॉ0शशि कांत

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने सर्दियों में मत्स्य पालक तालाबों की करें विशेष देखभाल विषय पर एडवाइजरी जारी की है उन्होंने विश्व मत्स्य दिवस 21 नवंबर से पूर्व मत्स्य पालकों के लिए एडवाइज जारी करते हुए बताया है कि वर्तमान समय सर्दी का है । मछली पालन के लिए यह समय बहुत ही कठोर होता है। इस समय मछलियों की नवंबर, दिसंबर, जनवरी के महीनों में वृद्धि कम हो जाती है साथ ही साथ मछलियां काफी सुस्त हो जाती हैं । तालाबों में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। जिससे मछलियों की मृत्यु दर बढ़ जाती है। इन सभी कारणों को ध्यान में रखते हुए मत्स्य पालकों को तालाबों में ऑक्सीजन की पर्याप्त व्यवस्था करने हेतु एरिएटर का प्रयोग करना चाहिए। यदि एरिएटर संभव न हो सके तब तालाब में प्रत्येक माह एक या दो बार पूरे तालाब के पानी का एक चौथाई पानी बदल कर ताजा पानी भर दें जिससे पानी में ऑक्सीजन स्तर बढ़ जाता है।साथ ही साथ मत्स्य पालकों को ध्यान रखना चाहिए कि सर्दियों में मछलियां को आहार की मात्रा भी कम दें। इन बातों का ध्यान रखते हुए मत्स्य पालक सर्दी में भी अपने तालाब की मछलियों को अच्छी वृद्धि करा सकते हैं और रोगों से भी बचा सकते हैं। विश्व मत्स्य दिवस के बारे में बताते हुए डॉ0 शशिकांत ने बताया कि मत्स्य पालन क्षेत्र को एक उभरता हुआ क्षेत्र माना जाता है और इसमें समाज के कमजोर वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण समाज और समावेशी विकास लाने की अपार संभावनाएं हैं। भारत वैश्विक मछली उत्पादन में 8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक ए दूसरा सबसे बड़ा जलीय कृषि उत्पादक ए सबसे बड़ा झींगा उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा समुद्री खाद्य निर्यातक है । उन्होंने बताया कि भारतीय मत्स्य पालन क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य पालन विभाग का यह प्रयास रहा है न केवल 22 एमएमटी मछली उत्पादन के पीएमएमएसवाई लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रगति को बनाए रखा जाए ए बल्कि वित्तीय वर्ष 2024-25 तक एक लाख करोड़ रुपए का निर्यात भी किया जा सके । यह क्षेत्र देश में तीन करोड़ मछुआरों और मछली पालकों को रूप से आय एवं आजीविका प्रदान करने मे मुख्य भूमिका निभा रहा है।